



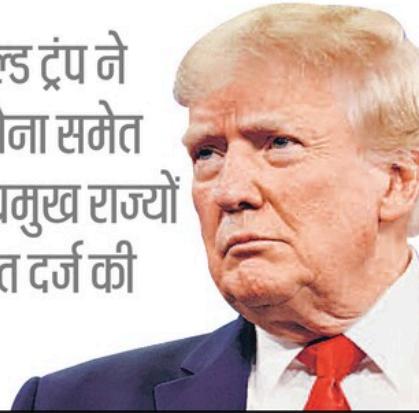
सोमवार

11 नवंबर 2024, धनबाद

हिंदुस्तान

भरोसा नए हिंदुस्तान का

• पांच प्रदेश • 24 संस्करण

डोनाल्ड ट्रंप ने
एरिजोना समेत
सात प्रमुख राज्यों
में जीत दर्ज की

ज्ञानवण्ड की नई प्यासी बहनों,
जोहाए!

मैं आपके सुख-दुःख में हँसेता थड़ा रहूँगा। वर्षों से सर्कीनी दाज़वाहियों पर हुए आर्थिक बोझ को खत्म करने का क्रेता
प्रयास दहा है। मंडियां संस्कान से हट नहींने आपको 2500 लप्पे, आपके परिवार को हट नहींने 1100 लप्पे की 200
यूनिट बिगलीं कुप्रत, गेस सिलिंडर 450 लप्पे में, जहाँ से नहीं अट्पाल में 15 लाख लप्पे का नुस्खा इलाज, 2 लप्पे
लाएं का अवृत्ता आवास, निःशुल्क रायन, आपके बच्चों को KG ब्लास्ट से PhD के साथ तिर्यक में पढ़ाई की, साथ में
लिली बिल लाफी प्रकारी होगी।

यह सब कट, जब मैंने आपके पद को खुशहाल किया, तब विषीकृतावाही ने मेरे घर को उजाने की कोरिश की। आगे
भी तेरुड़े पदेश्यान करने में कोई क्रसर नहीं होड़े, पर नुस्खे इसका कोई उट नहीं है।

और यह तो बस थुलआत है - आपकी खुशहाली के लिए मैं इससे भी बड़ी योजनाएं लाऊंगा।

पट इस लङ्घाई को लड़ने के लिए कुझे आपका दर्जन्यन और आरीराद चाहिए, ताकि आपके, मेरे और हमारे जैसे हर

ज्ञानवण्डी परिवार को खुशहाली को ये लोग न छीन पाए।

अपाका भाई, आपका दावा
हेंगला

दिसंबर से हार केंद्रों को

₹2500 का
उपाय

हर बहुणा को हर साल घूम

₹300 का

एक द्वी नारा
कर्मजा

ज्ञानवण्ड की नई प्यासी बहनों,



ज्ञानवण्ड की नई प्यासी बहनों



ज़रिया चुनेगा पूर्णमा फिर एक बार

कैसे बदली ज़रिया-बलियापुर सड़क की तस्वीर

11.14 किलो मीटर की लंबाई वाले ज़रिया-बलियापुर सड़क का मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण न केवल मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, बल्कि पूर्व में सड़क की जर्जर स्थिति के कारण हुई तीन बच्चों की मृत्यु को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि भी है।

अग्रिम-प्रभावित क्षेत्र से गुजरती ज़रिया-बलियापुर सड़क का पुनर्निर्माण संपन्न करना एक आमान कार्य नहीं था। इसके लिए सरकार और सी.एस.एन. के अधिकारियों के साथ बैठकों का एक लंबा सिलसिला चला। लेकिन पूर्व के विधायक के लापरवाह रखें के कारण हुई तीन बच्चों की मृत्यु ने पूर्णमा नीरज सिंह के मन को इस प्रकार झकझोरा कि इस स्थिति को सुधारना उनका दृढ़

निश्चय बन गया।

सड़क के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण से न केवल आम जनमानस के रोजाना आवागमन की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया, बल्कि इससे ज़रिया बाजार जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्रों को भी बल मिला है।

ज़रिया बाजार में व्यवसाय को सशक्त करना और बाजार के हमारे व्यवसायियों को आउटसोर्सिंग के प्रक्रिया से बचाना हमेशा से

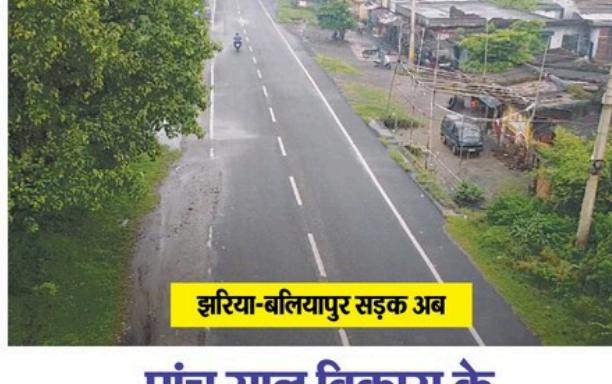
-पूर्णमा नीरज सिंह

पूर्णमा नीरज सिंह की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रहा है। इसी कड़ी में ज़रिया-बलियापुर सड़क का संपूर्ण जीणोंद्वारा ऐतिहासिक संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को पूरा-साकित करता है।

पूर्णमा नीरज सिंह का वादा है कि ज़रिया में इसी प्रकार विकास के अनेकों कार्य आने वाले समय में भी पूर्ण होंगे और ज़रिया विकास के मार्ग पर अग्रसर रहेगा।



ज़रिया-बलियापुर सड़क पहले



ज़रिया-बलियापुर सड़क अब



पांच साल विकास के पूर्णमा नीरज सिंह पर विश्वास के



ज़रिया - 41 विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी

पूर्णमा नीरज सिंह को क्रम संख्या 1 हाथ छाप



पर अपना बहुमूल्य वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाये



श्रीमती पूर्णमा नीरज सिंह
प्रत्याशी, ज़रिया विधानसभा

भरोसा बरकरार - गठबंधन सरकार

ज़रिया मास्टर प्लान को केंद्र सरकार ने वर्ष 2009 के अगस्त माह में मंजूरी दी थी।

संशोधित ज़रिया मास्टर प्लान पर मंत्रिमंडल का फैसला जल्द

102

साल में पुनर्वास योजना को शुरू कर 10 साल में लागू करना था।

07

हजार करोड़ से अधिक निवेश का अनुमान था। सभी सीमा 2021 में ही खत्म हो गई।

05

सीकोड़े रण प्रशंसित प्लान में प्रतिवर्ष सर्वे देगी कोल ईडिया। दो वर्ष में होगा।



ज़रिया बोर्ड में लोयला में लाली आग। (फाइल फोटो)

की घटनाओं से निपटेंगी। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को एक समारोह के दौरान संवाददाताओं से कहा था कि ज़रिया मास्टर प्लान, जिले दो वर्षों से लंबित है। इस विषय पर प्रधानमंत्री ने व्यापक कार्ययोजना बनाने को कहा है। मैं खुद ज़रिया खनन

समीरन दत्ता ने पहले कहा था कि योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है, जिसमें लगभग 2800 परिवारों को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया है। आगे क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कमी हुई है और पुनर्वास के लिए 33,000 घर पहले ही बनाए जा चुके हैं।

मृतक के भतीजे को पुलिस ने उठाया, डेकोरेट्स भड़के

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। जिस हॉस्पिटल में शुक्रवार को हाथ की संर्जी के दौरान तेलीपाड़ा निवासी खटीक बनर्जी की मौत के मामले में सरायदेला थाना में दोनों पक्षों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। रविवार को पुलिस मृतक के भतीजे शिव कुमार बनर्जी दर्ज कर से हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाना लाई। शिव को उठाने की सूचना पर डेकोरेट्स एसोसिएशन के सदस्य आक्राशित हो उठे। एसोसिएशन के कई सदस्य सरायदेला थाना पहुंचे और शिव को हिरासत में लिए जाने का विरोध किया।

OTPlay PREMIUM

पाएं 38+ OTTs एक प्लेटफॉर्म पर

38+ OTTs

50,000+ TITLES

300+ LIVE TV CHANNELS

प्लान रुपये ₹ 149* प्रति माह

*वित्ती वर्ष शर्तें लागत

Available on:

web | android | iPhone

androidtv | firetv stick | Apple tv | JioStore | SAMSUNG | LG

B2B/ISP पार्टनरशिप के लिए

कृपया हमें इस पर लिखें: support@ottplay.com

सभकाइबर करने के लिए स्कैन करें या विज़िट करें:

www.ottplay.com/plans



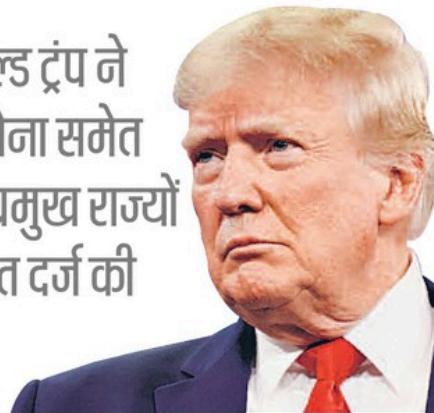
सोमवार

11 नवंबर 2024, कार्तिक शुक्ल पक्ष, दशांशी, विक्रम सम्वत् 2081, धनबाद

नगर संकारण, वर्ष 14, अंक 262, 18 पेज, गृह्य ₹ 5.00

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

डोनाल्ड ट्रंप ने
एरिजोना समेत
सात प्रमुख राज्यों
में जीत दर्ज की

• पांच प्रदेश • 24 संकारण

जोहार
झारखंडमेरा बूथ
सबसे
मजबूत
संवाद
से जुड़ें

तिथि - 11 नवंबर, 2024

समय- दोपहर 12.30 बजे

रोटी बेटी माटी की पुकार

झारखंड में भाजपा सरकार

नमो एप द्वारा

अपने विचारों को सीधे प्रधानमंत्री
श्री नरेंद्र मोदी से साझा करने
के लिए यहां स्कैन करेंकमल का बटन दबाएं
भाजपा को जिता दें

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

प्रमुख
पांचमहाराष्ट्र में भाजपा और
एमवाईए के घोषणापत्र1 महाराष्ट्र में भाजपा विपक्षी
वारदात के लिए घोषणापत्र
जारी कर दिया। P13

भारत का मोस्ट वॉटेड

अर्थ इल्ला गिरफ्तार

2 कनाडा में भारत का मोस्ट
वॉटेड अर्थ इल्ला गिरफ्तार। P13

यूक्रेन का मॉस्टको पर

सबसे बड़ा द्वौन हमला

3 यूक्रेन ने नीलोंको पर विवाह
की शर्त अवाकू का सबसे बड़ा
द्वौन किया है। P13

दक्षिण अफ्रीका ने भारत

को 3 विकेट से हराया

4 द. अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में
भारत को छह गेंद द्वारा तीन
विकेट से हरा दिया। P14

महंगे बीमा प्रीमियम से

मिल सकती है राहत

5 स्वास्थ्य और जीवन बीमा
प्रीमियम (विस्त) में दूहत
लिल सकती है।प्रीमियम (विस्त) में दूहत
लिल सकती है।

विजय संकल्प सभा : प्रधानमंत्री ने गुमला और चंदनकियारी की सभाओं में झामुमो-कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना

आदिवासी एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे : मोदी

■ नितेश ओझा/मुकेश दिंग
गुमला/बोकारो, हिन्दुस्तान टीम।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को
दलित और पिछड़ी की एकता को तोड़ने
का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि
कांग्रेस का एजेंडा है कि आदिवासी और
ओबीसी समाज को समृद्धि तक ताकत
खाल हो जाए। मोदी ने आदिवासी और
ओबीसी समाज से एकजुट होने की
अपील करते हुए कहा, 'एक रहेंगे तो
सेफ रहेंगे'। प्रधानमंत्री गुमला और
बोकारो के चंदनकियारी में चुनावी सभा
को संबोधित करते थे।

गुमला में प्रधानमंत्री ने आदिवासी
समाज, इनकी अधिकारी, जनजातीय
नायक की बात की। कहा, धरती आवा
बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को
देशभर में मनाने का फैसला किया गया
है। इससे पहले अंदमान के एक द्वीप
का नाम गुमला की धरती के बीच
अलबर्ट एकका ने नाम पर रखा गया।
उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए की
सरकार ने जनजातीय महिला द्वारा पूरी
मुमुक्षु को राष्ट्रपति बनाने का काम किया,
लेकिन कांग्रेस ने उन्हें होने में पूरा
दम लगा दिया था। ▶ देखें PO4



रांची में पीएम ने किया रोड शो, गुंजता रहा मोदी-मोदी

रांची, विशेष संवाददाता। प्रधानमंत्री
नरेंद्र मोदी ने रविवार को रांची में रोड शो किया। रोड शो के दौरान सड़क किनारे मौजूद हजारों लोग मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। इससे माहौल पूरी तरह से मोदीमय हो गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे और कमल फूल का निशान दिखाकर भाजपा के प्रशंसनी वेट डालने की अपील करते रहे। प्रधानमंत्री को देखने के लिए रांची के साथ-साथ आसपास के कई जिलों से लोग चढ़ चुके थे। भीड़ में महिलाओं की भी अच्छी तादाद थी। वहाँ युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था।

प्रधानमंत्री एसपीएस से सड़क मार्ग से ओटीसी मैदान पहुंचे। वहाँ से उन्होंने रोड शो सुरक्षा किया। ओटीसी मैदान से पिस्कामोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पहुंचे। करीब ढाई किलोमीटर की दूरी उन्होंने

उसे हानि से इनकार कर दिया।

एसपीएस से ओटीसी मैदान जाने और

लौटने के क्रम में भी सड़क के किनारे

लोगों की भारी भीड़ मोदी-मोदी के

नारे लगा रही थी। पीएम भी लोगों का

अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।

52 मिनट में तय की। मोदी भावावारंग की

खुली जीप पर सवार थे। जीप पर उनके

साथ रक्षा राज्यमंत्री और रांची के संसद

संस्थान से, गंगा सीढ़ी के उमीदवार सोनी

सिंह और हटिया के उमीदवार नवीन

जायसवाल भौजूद थे। ▶ देखें PO4

हर मैय्या को मान मिले हर चेहरे पर मुस्कान खिले

आब हर माह

₹2500



भरोसा
बरकरार।

गठबंधन
सरकार।

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंडिया
सम्मान योजना



*Your light
enlightens our journey.*

Fondly remembered by all

Dr. Krishna Kumar Birla

November 11, 1918 - August 30, 2008.



भावनाओं की समझ कैसे बढ़ाएं

खूबसूरत जिंदगी



दीपक चोपड़ा
भारतीय मूल के अमेरिकी
लेखक व मोटिवेशनल
गुरु। कई किताबें लिख
चुके हैं।

महामारी के बाद से
अनहोनी की आशंका ने
हम सबको बहुत ज्यादा
तनाव की स्थिति में पहुंचा
दिया है। हम स्वयं को भय
और असुरक्षा में घिरा पाते
हैं, लेकिन फिल्मों की तरह
यहाँ कोई सुपर पावर हमे
बचानेगी नहीं है। अब
आप इसे मेट्रिक्स कहें या
माया, बचना आपको स्वयं
ही होगा।

कई डर सामाजिक दबाव से जुड़े होते हैं। उन डरों से अपना बचाव हमें स्वयं करना पड़ता है। कठिन लगता है, पर स्वयं को तनाव, घिन्ता, भय और असुरक्षा के अहसास से बाहर निकाल पाना संभव है। तमाम अनहोनी की आशंका के बावजूद स्वयं को कैसे मुक्त रखा जाए, यह सीखा जा सकता है।

द मेट्रिक्स: हम यहाँ कैसे पहुंचे? यहाँ से बचकर कैसे निकला जा सकता है? कभी-कभी एक फिल्म के मायने से सिर्फ़ एक फिल्म होने से कहीं ज्यादा होते हैं। नब्बे के सदूक में आई 'द मेट्रिक्स' एक हिट साइंस फिक्शन होने के साथ वास्तविकता का विचलित कर देनेवाला पक्ष भी दिखलाती है। इस फिल्म में लोग बिना यह जाने अपनी रोजमर्यादी की जिदीयों पर रहते रहते हैं कि वह सब एआई द्वारा रचित 'द मेट्रिक्स' में फंसे हुए हैं। उनके आस-पास दिखनेवाली होकर चीज़ उस विशालकाय मरीची द्वारा रखित आधारीय दुनिया का हिस्सा होती है। फिर ज्यों-ज्यों कहानी आगे बढ़ती है, 'द वन' नामक शक्ति आकर उस आधारीय दुनिया से इसनियर के बचाकर बाहर निकलती है।

असल जिदीयों में भी कभी न कभी जीवन अवास्तविक लगता है, जब हम कहते हैं कि 'ऐसा नहीं हो सकता' या 'मुझे यह सब एक समझ नहीं जैसा लग रहा है।'

'द मेट्रिक्स' ने माया को सिर्फ़ द्वारा रखित करने का काम

किया, हो जाने वाले से भारीय अध्यात्म के हृदय में स्थिरता देनी के अभासी रूप है। साथ ही इसने इस रूप से बाहर निकलने की प्रेरणा भी दी। इसे निकिय रूप से स्वीकार कर लेने पर जीवन ऐसी मरीची में उलझ जाता है जो हमारे भीतर की जीवन शक्ति खोन कर देता है।

ऐसा करने के लिए अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को विकसित करना आवश्यक है, क्योंकि डर व असुरक्षा को भावनाओं के रूप में ही महसूस किया जा सकता है। भावनात्मक समझदारी का महत्व कभी नहीं होता है। इस पर ध्यान केंद्रित करके आप कभी मनहीं होता है।

इसमें यह छोटा सीरियसी मरद करने के लिए कुछ हासिल कर देते हैं।

■ प्रण लें कि सिर्फ़ किसी की शक्तियां या चुगती नहीं करें और न ही स्वयं को पीड़ित समझें।

■ अपने लिए एक शानदार, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की कल्पना करें।

■ अपने अंदर पर पछातवा करने छोड़ दें।

■ प्रत्येक स्थिति में सचेत रूप में उपरान्त रहें।

■ दूसरों की राय को खुद पर हावी न करें।

■ किसी भी विचार व प्रतिक्रिया पर ध्यान दें।

यह कहना सही होगा कि इन सिद्धांतों तक

शायद ही कोई व्यक्ति बिना गलती करे या सिर्फ़ जीवन का अनुभव लेते हुए पहुंच पाना होगा।

मनुष्य का अपनी भावनाओं के समझदारी वास्तव में एक प्रशंसनीय गुण है। अपनी भावनाओं पर ध्यान देना शुरू कर देने पर आप आसानी से डर

और चिंता जैसे अवांछनीय भावों से निवट सकते

हैं। आपको सिर्फ़ इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जब ठहर कर आप आसानी से समझ सकते हैं कि किसी परिस्थिति में आपकी क्या प्रतिक्रिया होती है। आप ऊपर बताएं सिद्धांतों के स्वयं से प्रश्न के रूप में पूछें-

■ क्या मैं शक्ति या क्याक्यात या

चुनावी में पीड़ित दर्शा रहा हूँ?

■ क्या मैं अपना भविष्य सकारात्मक

और रचनात्मक रूप से देख सकता हूँ?

■ क्या मैं वर्ध्य ही अपनी अंदीतों को ढो रहा हूँ?

■ क्या मैं दूसरों की स्वीकृति चाहता हूँ?

■ क्या मैं यह सुन पारहा हूँ कि अन्य लोग मुझसे क्या कह रहे हैं?

ये प्रश्न बहुत गूढ़ नहीं हैं। हम जब चाहें यह स्वाल स्वयं से पूछ सकते हैं। लोकन पुराने दर्दे पर चलनी आरही अपनी भावनाओं की अनुख्यी करने की आदतें हमें ऐसा करने से रोकती हैं। इस रुकावट में सामाजिक दबाव का बेड़ा योगदान है, जो हमें भावनात्मक समझदारी के बेद़ा निचले स्तर के अनुरूप ही व्यवहार करने देता है, जैसे-

■ हम लगभग सभी परिस्थितियों में एक जैसी ही व्यवहार करने लगते हैं।

■ दूसरों की नकल करने लगते हैं।

■ बिना सोचे समझे प्रतिक्रिया देने लगते हैं।

■ डर, क्रोध, इच्छा और जलन जैसे भावों को अपने ऊपर हावी होने देते हैं।

■ वास्तविकता को अनेदेखा करने लगते हैं।

यह उदाहरण बताते हैं कि वह ज्यादा बढ़ जाने पर लोग उससे बाहर निकलने का मायने नहीं ढंकते और विचलित होते हैं। ऐसे विचार में हमें दूसरों के सचेत रूप में उपरान्त रहते हैं।

■ दूसरों की राय को खुद पर हावी न करें।

■ किसी भी विचार व प्रतिक्रिया पर ध्यान दें।

यह कहना सही होगा कि इन सिद्धांतों तक

शायद ही कोई व्यक्ति बिना गलती करे या सिर्फ़ जीवन का अनुभव लेते हुए पहुंच पाना होगा।

मनुष्य का अपनी भावनाओं के समझदारी वास्तव में एक प्रशंसनीय गुण है। अपनी भावनाओं पर ध्यान देना शुरू कर देने पर आप आसानी से डर

और चिंता जैसे अवांछनीय भावों से निवट सकते

deepakchopra.com



विविध

नाउमी दी को कैसे दूर करें

निराशा और बढ़ जाती है, जब लगता है कि हम कुछ नहीं कर सकते। इस अहसास को ऐसे दूर करें।

1. निराशा की तरह में जाएँ: अपनी निराशा पर चिनत करें, उसे लिखें, भरोसेमंद लोगों से प्रेम से पेश आएं। अपनी देखभाल करें।

2. स्वयं के प्रति करुणा बढ़ावें: कभी न कभी हम सभी निराशा को ले जाते हैं। हमें इसे नहीं देखना चाहिए। अपनी देखभाल करें।

3. दूसरों से मदद लें: ऐसे लोगों के साथ रहें, जो आपको सहायोग देने के लिए तैयार रहते हैं। पॉन्टिंग सोच रखते हैं।

4. न नजरिये से सोचें: खुले



काम के बीच न भटके मन

एक बार जरूरी काम से ध्यान हटा तो दोबारा लय में लौटने में समय लग जाता है। काम के बीच बार-बार खलल पड़ना न सिर्फ़ हमारी आदतों का भी कम नहीं है।

दिमाग कैसे करता है काम?

एक अध्ययन के अनुसार, रोजाना एक कर्मचारी का औसतन 60 बार ध्यान बाहित होता है। इनमें से 80 % वाधाएं गैर जरूरी कामों के बीच हम अपना समय और ऊर्जा नहीं करते हैं।

इन्होंने कर्मचारी को लेखक देखले उसका बोलना देने लगते हैं। या फिर यों ही कुछ-कुछ दरे में बोलकर लगते हैं। या फिर यों ही कुछ-कुछ दरे में बोलकर लगते हैं। या फिर यों ही कुछ-कुछ दरे में बोलकर लगते हैं।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को खो देता है।

काम के बीच में रुकावट पैदा करने वाला पक्ष जारी हो जाता है। यह अपने ऊर्जा को ख

अगले चुनाव से पहले 34 लाख को नौकरी और रोजगारः सीएम



- विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिलेगी
- कहा 2005 से पहले शाम में कोई निकलता नहीं था, अब बिहार बदल युक्त
- बेलांगंज में मोरोमा और इमामगंज में दीपा को जिताने के लिए हुई समा

गया, प्रधान संवाददाता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि आपले विधानसभा चुनाव से पहले 34 लाख को नौकरी और रोजगार मिल जाएगा। वर्ष 2020 में दस लाख नौकरी और इतनी संख्या में रोजगार देने की बात हमने कही थी। इनमें सात लाख 17 हजार को नौकरी मिल गयी है। 2025 चुनाव से पहले 12 लाख को सरकारी नौकरी भी मिल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 24 लाख को अब-तक रोजगार दे चुके हैं। सीएम रविवार को गया के बेलांगंज में जयदूर उम्मीदवार मनोरमा देवी और इमामगंज से हम की उम्मीदवार दीपा मंझी के पक्ष में चुनावी सभा के संबोधित कर रहे थे।

बेलांगंज और इमामगंज दोनों की सभाओं में उन्होंने 2005 से किए गए काम गिनाए। बताया कि 2005 से पहले किस तरह शाम के बाद लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता था। हिन्दू-

मुस्लिम के नाम पर लड़ाई होती थी। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति किनी खारब थी। इसे आरणको को लेकर किए गए कार्यों की जानकारी दी। बेलांगंज में डिटी सीएम सप्तर चौथी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद व जयदूर के विधायकों की घोषणा की। वहाँ 60 साल से ज्यादा पुणे मंदिरों की घोषणा की काम भी शुरू हुआ है। मदरसों को सरकारी

मान्यता दी गई। मुख्यमंत्री ने पोशाक योजना, साइकिल योजना, महिला आरणको को लेकर किए गए कार्यों की जानकारी दी। बेलांगंज में डिटी सीएम सप्तर चौथी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद व जयदूर के विधायकों की घोषणा की। वहाँ 60 साल से ज्यादा पुणे मंदिरों की घोषणा की काम भी शुरू हुआ है। मदरसों को सरकारी

उपलब्ध कराई गई। जयदूर गठबंधन सरकारी नौकरी के निर्धारित कार्यक्रम को लेकर पहुंचे हैं।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं जिला संगठन प्रभारी विनोद मंडल और कार्यकर्ताओं के साथ तैयारी बैठक के बाद प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद व जयदूर के विधायकों की घोषणा की। उन्होंने यहाँ अप्रूवित विधायकों को बाहर निकाला और लोगों को जिताने की अपील की।

बाजार भाव ज्यादा होने के चलते गेहूं के न्यूट्रिनिट सम्पूर्ण में बढ़ी की मांग लेकर समय से हो रही थी। सरकार ने ज्यादा से ज्यादा रसेंट्रें में गेहूं की बुआई करने की अपील की है। बिहार में कीमत 26 लाख हेक्टेकर में गेहूं की खेती होती है। पैक्सों के अलावा भारतीय खाद्य निगम सभी राजस्व जिलों में गेहूं का क्रय केंद्र बनाएगा।

में एनडीए की जीत होगी। वहीं बक्सर संसद सह आरजेडी नेता सुशाकर सिंह पर जयदूर के बाद उन्होंने 2005 से किए गए काम गिनाए। बताया कि 2005 से पहले किस तरह शाम के बाद लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता था। हिन्दू-

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर मटरिया गांव के पास हुआ हादसा।

गाजियाबाद से पैतृक घर बिहार के गया जा रहा था। पूरा परिवार

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े बेटे सौरभ का 18 नवंबर को होना था तिलक

■ बड़े ब

जब धूटना, कंधा या कमर दर्द सताए
तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं



धूटना दर्द

कंधा दर्द

कमर दर्द

कलाई दर्द



Clinically Tested*

*For efficacy and safety.

'डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल'
आज ही ले आएं

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्तों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ़ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित भंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक हीने के कारण इसके प्रभाव अल्पकालिक नहीं लावे समय तक बना रहता है।

Dr. Juneja's
डा. ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com



नई प्रणाली से रोजाना 1.35 करोड़ फर्जी कॉल पर रोक : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने लिए तकनीकी प्रणाली तैयार की है, जो रोजाना ऐसी 1.35 करोड़ काले को रोक रही है।

साइबर अपराध की रोकथाम में यह काफी कारगर है, जो शुरुआती चरण में ही अंकुश लाया है। केंद्रीय संचार मंत्री जयंतरायदिव्य सिंधिया ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसने अब तक लोगों की 2,500 करोड़ रुपये की संपत्ति बचाने में मदद की है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपरोक्ताओं के कानून पर आने वाली मार्केटिंग कॉल और धोखाधड़ी वाली कॉल से निपटने के लिए इसने एक पूर्ण प्रणाली लागू की है। ज्यादातर

25 सौ करोड़ रुपये की सार्वजनिक संपत्ति बचाई नई प्रणाली ने

520 एजेंसियों और बैंकों को इससे जोड़ा गया।

फर्जी कॉल देश के बाहर के सर्वर से आती है और नई प्रणाली ऐसी ज्यादातर धोखाधड़ी वाली कॉल को रोकते हैं और वह औसतन प्रतिदिन 1.35 करोड़ रुपये की संपत्ति बचाने में मदद की है।

दूरसंचार के धोखाधड़ी का पालन वाले नेटवर्क ने आज संचार साथी और चश्च पोर्टल की मदद से लोगों की लगभग 2,500 करोड़ रुपये की संपत्ति बचाई है।

तीन लाख नंबरों को बंद किया

सिंधिया ने कहा कि नई प्रणाली के कारण 2.9 लाख फोन नंबर बंद हो गए हैं और करीब 18 लाख हंडर लॉक हो गए हैं, जिनका इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया जाता था। इनके अलावा ऐसे धोखावाज, जो भ्रष्ट के बाहर के सर्वर का इस्तेमाल करते थे, लेकिन खुद को +91 नंबर (भारतीय नंबर) के रूप में पेश करते थे, उनकी पहचान भी की जा रही है। हमने ऐसे सॉफ्टवेयर लगाए हैं, जो इन कॉल को रोकते हैं और वह औसतन प्रतिदिन 1.35 करोड़ रुपये की संपत्ति बचाने में सक्षम है।

साइबर ठगों के नए पैतंत्रे

साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि हाल ही में दूरसंचार विभाग और ट्राई के अधिकारी बनकर मोबाइल नंबरों को काटने, फर्जी डिजिटल गिरफ्तारी, कूरियर में इस्यू/शीर्षी पदार्थों की मोजूदगी, खुद को पुलिस अधिकारी बालक घमकाने, सेवस रेट में गिरफ्तारी की धारकी देने जैसे साइबर अपराधों के मामले सामने आए हैं। साइबर अपराधी भारतीय मोबाइल नंबर को प्रदर्शित करके अंतर्राष्ट्रीय स्कूफ कॉल के जरिए इस तरह के साइबर अपराध कर रहे हैं। ये कॉल देश के भीतर से ही की गई लगाई हैं ताकि अन्यतर में फैरफॉर्कर करके विदेश से किया जा रहा है। नई प्रणाली इस तरह की कॉल की पहचान करने के लिए बाबई गई है।

कई कानूनी एजेंसियों को इससे जोड़ा गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई प्रणाली के साथ कानून प्रतिनिधित्व एजेंसियों के साथ एकीकृत की भी जोड़ा जा रहा है। अब तक 520 एजेंसियों को इसमें शामिल किया गया है। इसके साथ ही दूसरे तरफ दूरसंचार विभाग द्वारा प्रणाली आने वाली अंतर्राष्ट्रीय फर्जी कॉलों की पहचान कर रहे हैं। शुरुआत के पहले ही दिन इसने एक कॉरेड से अधिक धोखाधड़ी वाली फर्जी कॉलों को रोका है।

क्या है नई प्रणाली

गोरतव वह है कि केंद्रीय दूरसंचार मंत्री जयंतरायदिव्य इनकमिंग स्पूफ कॉल निवारक प्रालौटी की शुरुआत की थी। दूरसंचार विभाग द्वारा इनकमिंग के साथ प्रतिष्ठित यह उन्नत प्रणाली आने वाली अंतर्राष्ट्रीय फर्जी कॉलों की पहचान कर रहे हैं। शुरुआत के पहले ही दिन इसने एक कॉरेड से अधिक धोखाधड़ी वाली फर्जी कॉलों को रोका था।

जीएसटी को 18% से घटाकर 12% करने पर फैसला संभव महंगे बीमा प्रीमियम से बड़ी राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली, विशेष संचादाता। जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक अगले महीने राजस्थान में होने वाली है, जिस पर सभी की नज़र टिकी है। आम नामांकक के लिए जासे देखा जाए तो स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम (पीएसटी) में रहते हैं। दोनों ही बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी की दरों को कम करने पर फैसला होना है।

मार्म है कि जुड़े जानकारों का कहना है कि बैठक बीमा प्रीमियम से रहते हैं। जीवन बीमा जैसे विषयों पर केंद्रिय जीवन बीमा के पक्ष में है कि आम नागरिक स्वास्थ्य और जीवन बीमा भवित्व की सुरक्षा को ध्यान में रखकर करता है, जिस पर सरकार को लोगों से कर नहीं लेना चाहिए। लेकिन कुछ राज्यों को तक है कि जीएसटी पूरी तरफ सहायता जाने से राज्य के तीर तरफ नुसासन हो जाए। पांच लाख रुपये का राजस्व प्रभावित होने का अनुमान है। ऐसी रिपोर्ट में बीमा का राजस्व निकाल कर पांच लाख से अधिक के बीमा पर जीएसटी की दरों को कम करना है।

कई राज्यों में कटौती को लेकर सहमति बनी

मोटा राजस्व

स्वास्थ्य व जीवन बीमा के जिरिये जीएसटी के तीर पर केंद्र व राज्य सरकारों के खाने में मोटा पैसा जाता है। आकड़ा के अनुसार जीवन बीमा प्रीमियम करीब 90,02 करोड़ रुपये था, जिसमें व्यवितरण स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का योगदान 35,300 करोड़ रुपये था। अब इस पर वर्तमान 18 फ्रिट्रिट एवं जीएसटी दरों को जोड़ा जाए तो व्यवितरण प्रीमियमों से 6,354 करोड़ रुपये का राजस्व करना लगा गया।

जीएसटी दरों को तक रंगत बनाने पर भी चर्चा

मंत्रियों का समूह जीएसटी की मोजूदा दरों को तक रंगत बनाने पर भी काम कर रहा है। जिनमें जीएसटी की बाल कर रहे हैं, जिनमें 12, 18, 22 और 25 प्रतिशत से जल्द दर करने के लिए जारी कर रहे हैं। बीते महीने विहार के उपस्थिति स्थानों पर नवगति बीमा के अधिकारी ने बीमा पर नवगति करने के लिए जारी कर रहा है। इसके साथ ही जीएसटी दरों को तक रंगत बनाने से संबंधित सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर को बेहतर बनाने का निर्देश दिया जा रहा है।

सरकार को मिलता है

मोटा राजस्व

स्वास्थ्य व जीवन बीमा के जिरिये जीएसटी के तीर पर केंद्र व राज्य सरकारों के खाने में मोटा पैसा जाता है। आकड़ा के अनुसार जीवन बीमा प्रीमियम करीब 90,02 करोड़ रुपये था, जिसमें व्यवितरण स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का योगदान 35,300 करोड़ रुपये था। अब इस पर वर्तमान 18 फ्रिट्रिट एवं जीएसटी दरों को जोड़ा जाए तो व्यवितरण प्रीमियमों से 6,354 करोड़ रुपये का राजस्व करना लगा गया।

ईपीएफओ पोर्टल से जुड़ी दिक्कतें जल्द दूर होंगी

नई दिल्ली, विशेष संचादाता। केंद्रीय भविष्य निविं संगठन (ईपीएफओ) की कार्यालयीकरण के लिए जीवन बीमा के विवरणों को तक है कि जीएसटी पूरी तरफ सहायता है। जिनमें 9 लाख फोन नंबरों को जारी कर रहे हैं, जिनमें 12, 18, 22 और 25 प्रतिशत से जल्द दर करने के लिए जारी कर रहे हैं, जिनमें 19,771 डॉलर पर एक बैंक और एक बैंक भैंक के बीच बढ़ते हैं। इनके बाद जीएसटी की बाल कर रहे हैं, जिनमें 21,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्रभावित होने का अनुमान है। ऐसी रिपोर्ट में बीमा का राजस्व करने के लिए जीएसटी की बाल कर रही है।

समिति ने फैसला लिया है कि

आधुनिकीकरण परियोजना पर आने वाली की सीमीशा हर महीने होगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मन्त्रालय की सचिव सुभिता डाकवाला की अधिकारीकृति में रहूँ बैंकों के वार्षिक विवरणों के लिए जीवन बीमा के विवरणों को बदल देने के लिए दो चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्जी को नियुक्त करने की मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, इन्होंने उन्नीस दरों को जारी कर रहा है। इनके साथ ही, इन्होंने उन्नीस दरों को जारी कर रहा है। इनके साथ ही, इन्होंने उन्नीस दरों को जारी कर रहा है। इनके साथ ही, इन्होंने उन्नीस दरों को जारी कर रहा है।

भारत से यूरोपी संघ को ईदून नियर्यात संघर्ष

